भारत सरकार

सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय

लोक सभा

अतारांकित प्रश्न सं. 4517

उत्तर देने की तारीख 27.03.2025

महात्मा गांधी ग्रामीण औद्योगिकीकरण संस्थान

4517. डॉ. दग्गुबाती पुरंदेश्वरी:

क्या **सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे किः

(क) क्या महात्मा गांधी ग्रामीण औद्योगिकीकरण संस्थान (एमजीआईआरआई) पारंपरिक शिल्प और वहनीय पद्धतियों को बढ़ावा देकर ग्रामीण समुदायों को सशक्त बनाने के लिए कार्य कर रहा है, यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है और ग्रामीण उद्योगों की क्षमता बढ़ाने के लिए क्या पहल की गई है;

(ख) एमजीआईआरआई द्वारा शुरू की गई विभिन्न परियोजनाओं का ब्यौरा क्या है जिनमें उत्पाद विकास, परामर्श, इनक्यूबेशन और मशीनरी विकास शामिल हैं और सूक्ष्म उद्यमों, कारीगरों, कताईकारों और बुनकरों पर इन परियोजनाओं का क्या प्रभाव पड़ा है;

(ग) एमजीआईआरआई को प्रमुख घटकों सहित ग्रामीण औद्योगिकीकरण हेतु उत्कृष्टता केंद्र (सीओई) के रूप में पुन: स्थापित करने की परियोजना की स्थिति क्या है;

(घ) एमजीआईआरआई में छात्रावास-सह-अतिथि गृह के निर्माण का क्या प्रस्ताव है और इससे एमजीआईआरआई में क्षमता निर्माण कार्यक्रमों को किस प्रकार सहायता मिलेगी;और

(ङ) देश भर में ग्रामीण कारीगरों और उद्यमियों को सशक्त बनाने में एमजीआईआरआई की भूमिका को और सुदृढ़ करने की भावी योजनाएं क्या हैं?

उत्तर

सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम राज्य मंत्री

(सुश्री शोभा करांदलाजे)

(क): जी, हाँ। महात्मा गांधी ग्रामीण औद्योगिकीकरण संस्थान (एमगिरी) पारंपरिक शिल्प और सतत पद्धतियों के संवर्धन के माध्यम से पारंपरिक ग्रामीण कारीगरों को सशक्त बनाने के लिए कार्य कर रहा है। ग्रामीण उद्योगों की क्षमता वर्धन हेतु की गई पहलों का विवरण निम्नानुसार है:

(i) एमगिरी विभिन्न एमगिरी विकसित प्रौद्योगिकियों में विभिन्न कौशल विकास कार्यक्रम/उद्यमिता विकास कार्यक्रम आयोजित करता है। विगत 10 वर्षों (अर्थात वितीय वर्ष 2014-15 से वितीय वर्ष 2023-24 तक) के दौरान ग्रामीण उद्योगों की क्षमता वर्धन हेतु 6414 लाभार्थियों को लाभान्वित करते हुए लगभग 1000 एसडीपी/ईडीपी प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किए गए हैं।

(ii) एमगिरी ने पिछले 10 वर्षों (अर्थात वित्तीय वर्ष 2014-15 से वित्तीय वर्ष 2023-24 तक) के दौरान लगभग 100 फील्ड ट्रायल/नवोन्मेषी उत्पादों/प्रौद्योगिकियों/प्रक्रियाओं के प्रसार का आयोजन किया है।

(ख): एमगिरी ने उत्पादों/प्रक्रियाओं/मशीनरी विकास के लिए विभिन्न परियोजनाएँ शुरू की हैं। कुछ प्रमुख प्रौद्योगिकियों/उत्पादों में खादी फिनिशिंग प्रौद्योगिकी, सौर चरखा, पंचगव्य उत्पाद, हर्बल उत्पाद, सौर ड्रायर, एस्सेनशियल ऑयल एक्सट्रक्शन आदि शामिल हैं। इनका विवरण निम्नानुसार है:

1. एमगिरी ने विगत 10 वर्षों (अर्थात वित्तीय वर्ष 2014-15 से वित्तीय वर्ष 2023-24 तक) के दौरान 200 से अधिक अभिनव उत्पाद/मशीनरी/प्रक्रियाएँ विकसित की हैं।
2. एमगिरी ने आजीविका व्यवसाय इनक्यूबेशन केंद्र (एलबीआई) की स्थापना की है, जिसमें 500 से अधिक लाभार्थियों को लाभ हुआ है।

3. एमगिरी के विभिन्न प्रभागों द्वारा परामर्श, गुणवत्तापूर्ण मार्गदर्शन और परीक्षण प्रदान किए गए हैं तथा विगत 10 वर्षों (अर्थात वित्तीय वर्ष 2014-15 से वित्तीय वर्ष 2023-24 तक) के दौरान विभिन्न सरकारी विभागों और संगठनों के लिए 70 से अधिक बाह्य वित्तपोषित परियोजनाओं को कार्यान्वित किया गया है।

एमगिरी द्वारा विकसित नवीन उत्पाद/मशीनरी/प्रक्रियाओं ने विगत 10 वर्षों (अर्थात वित्तीय वर्ष 2014-15 से वित्तीय वर्ष 2023-24 तक) के दौरान 200 से अधिक उद्यमों की स्थापना करने में सहायता की है।

इन परियोजनाओं का सूक्ष्म उद्यमों, कारीगरों, कताईकारों और बुनकरों पर पड़े प्रभाव का विवरण निम्नानुसार है:

1. एमगिरी ने विभिन्न प्रकार के ग्रामीण उद्योगों में विभिन्न उत्पादों और प्रौद्योगिकियों का विकास और मानकीकरण किया है और इस प्रकार सूक्ष्म उद्यमों की स्थापना और विकास पर प्रभाव छोड़ा है।
2. एमगिरी आजीविका इनक्यूबेशन की सुविधा प्रदान कर रहा है, जिससे स्थानीय कारीगरों की आजीविका में सुधार हो रहा है।
3. एमगिरी ने कारीगरों में जागरूकता पैदा करने हेतु विभिन्न जागरूकता कार्यक्रमों, उत्पाद प्रदर्शनियों, कार्यशालाओं और सम्मेलनों का आयोजन किया /भाग लिया है, जिसने कारीगरों के जीवन पर सकरात्मक प्रभाव डाला है।

(ग): महात्मा गांधी ग्रामीण औद्योगिकीकरण संस्थान (एमजीआईआरआई) को ग्रामीण औद्योगीकरण हेतु उत्कृष्टता केंद्र (सीओई) के रूप में पुनर्स्थापित करने की योजना को सूक्ष्म, लघु और मध्यम उद्यम मंत्रालय (एमएसएमई) द्वारा स्वीकृति दे दी गई है। इसके अतिरिक्त, निधियों का आवंटन प्रक्रियाधीन है।

परियोजना के मुख्य घटक:

क) विरासती संरचनाओं का संरक्षण और विरासती भवनों का पुनः उपयोग।
ख) अवसंरचना से संबंधित अनुसंधान और विकास (आरएंडडी) का विकास

(घ): ग्रामीण औद्योगिकीकरण के लिए एमगिरी में छात्रावास-सह अतिथि गृह के निर्माण की परियोजना को स्वीकृति दी गई है ताकि एमगिरी में क्षमता-वर्धन कार्यक्रमों का समर्थन किया जा सके है। यह सुविधा एमगिरी को अधिक संख्या में प्रशिक्षुओं को समायोजित करने में सक्षम बनाएगी, जिससे ग्रामीण हितधारकों को कौशल संवर्धन और प्रौद्योगिकी अंतरण के उद्देश्य से अधिक व्यापक और लगातार क्षमता-वर्धन कार्यक्रमों की सुविधा मिलेगी। इससे विशेषज्ञों और अधिकारियों के आगमन में भी सुविधा होगी, तथा ग्रामीण औद्योगिकीकरण को आगे बढ़ाने पर केंद्रित सेमिनार, सहयोगात्मक कार्यक्रम और उच्च-स्तरीय चर्चाएं आयोजित करने के लिए एमगिरी की क्षमता सुदृढ़ होगी।

(ङ): देश-भर में ग्रामीण कारीगरों और उद्यमियों को सशक्त बनाने में एमगिरी की भूमिका को और सुदृढ़ करने की भावी योजनाएं निम्नानुसार हैं:

- महात्मा गांधी ग्रामीण औद्योगिकीकरण संस्थान (एमगिरी) को ग्रामीण औद्योगिकीकरण हेतु उत्कृष्टता केंद्र (सीओई) के रूप में पुनः स्थापित करना। इस पहल का उद्देश्य सतत ग्रामीण औद्योगिकीकरण को बढ़ावा देने और ग्रामीण समुदायों को सशक्त बनाने में एमगिरी की भूमिका को बढ़ाना है।
- सहयोग: विशेषज्ञता और संसाधन उपलब्धता बढ़ाने के लिए संस्थानों, गैर-सरकारी संगठनों और निजी संस्थाओं के साथ साझेदारी को सुदृढ़ करना ताकि ग्रामीण औद्योगीकरण की प्रक्रिया को उन्नत और तेज किया जा सके।

*****